विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम, लखीसराय

(एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित)

कक्षा – पंचम् तिथि – 28/04/2021

विषय-संस्कृत सुमिता कुमारी

सुप्रभात बच्चों,

संस्कृत में आप सब दिये गये 'प्रार्थना ' का अध्ययन करेंगे।

प्रार्थना

हे विश्वपाः ! वयं भवतां बालकाः स्मः।

अस्मभ्यं विद्यां देहि, ,बलं देहि,आयुः देहि।।

अस्मभ्यं शुद्धं चित्तं देहि,सुविचारों देहि,

मधुरां वाणीं च देहि ।।

अस्मभ्यं गुरूभक्तिं देहि, , पितृभक्तिं देहि,

देशभक्तिं च देहि।।

अस्मभ्यं सुजीवनं देहि, स्वभक्तिं च देहि,

वयं भवन्तं सत्यं नमामः ,पूजयामः स्मरामः च।।

<u>अर्थ</u>:-

हे विश्व के स्वामी! हम सब आपके बालक हैं ।

हम सब को विद्या दीजिए, बल दीजिए और आयु दीजिए।

हम सब को शुद्ध मन दीजिए, अच्छे विचार दीजिए और मीठी वाणी दीजिए। हम सबको गुरु की भक्ति दीजिए, माता- पिता की भक्ति दीजिए और देशभक्ति दीजिए। हम सबको अच्छा जीवन दीजिए और अपनी भक्ति दीजिए ।हम सब आपको लगातार नमस्कार करते हैं पूजते हैं और याद करते हैं।

<u>अभ्यास</u>

1. ऊपर दिए गए प्रार्थना को संस्कृत में तथा उसके अर्थ को भी लिखें।